भारत अमृत महोत्सव

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र प्रयागराज

A national webinar on " Development of Moringa leaf based products" was organized by Forest Research Centre for Eco-Rehabilitation, Prayagraj on 16th July, 2021 following the COVID-19 rules under the ongoing *Azadi Ka Amrit Mahotsav* - an initiative of the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of progressive India and the glorious history of its people, culture and achievements.

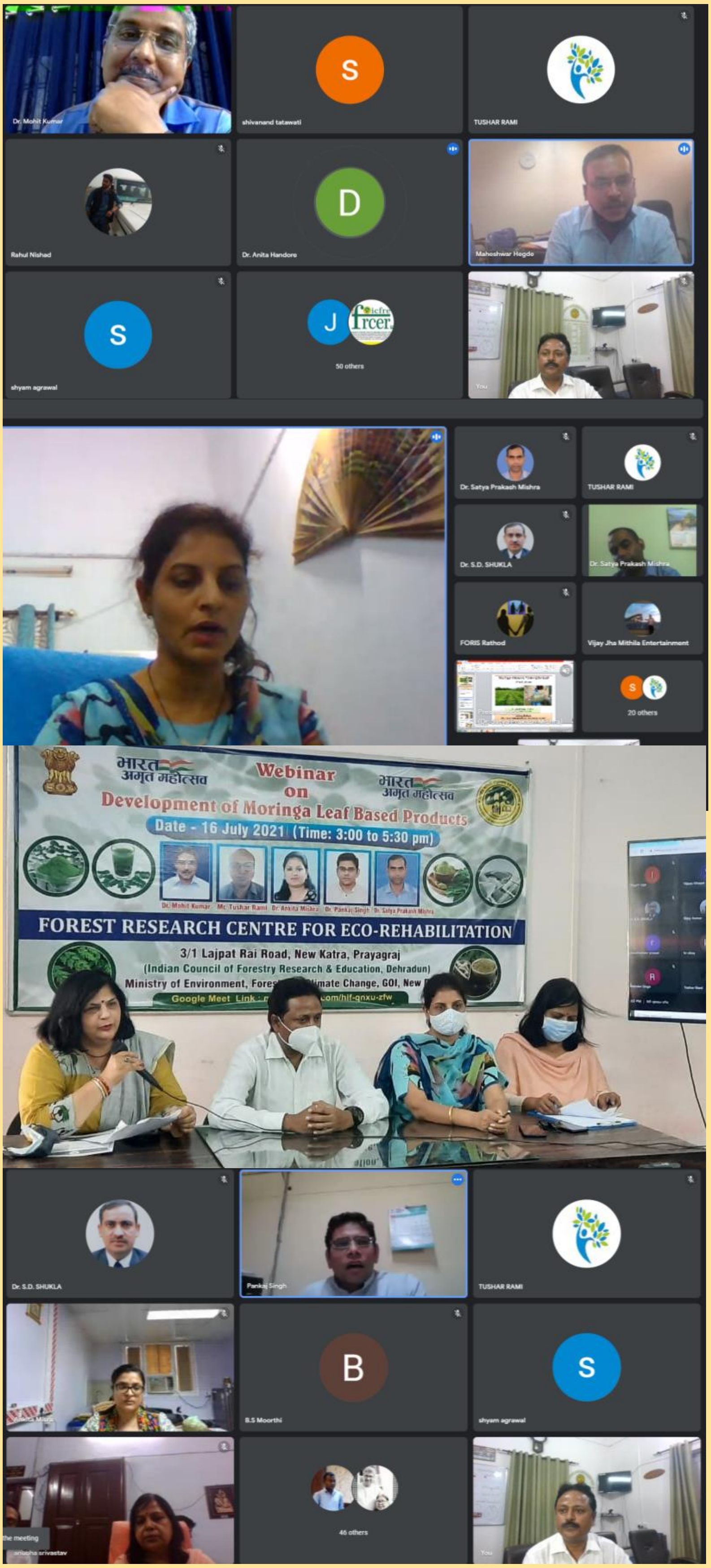

Dr. Sanjay Singh, Head, FRCER in his welcome address, made a detailed mention on the nutritional, medicinal and bio-stimulant benefits of *Moringa* leaves and requested the invited speakers of the webinar to make the program bilingual, so that the message of the programme may reach large section of the people. Senior scientist Dr. Kumud Dubey apprised about the efforts of various institutions of ICFRE, Dehradun in the area and discussed the importance of Moringa leaves in the lives of Indian population.

The first Invited Speaker, Dr. Mohit Kumar, CEO and MD, Semina Agro, discussed in detail the cultivation and marketing of Moringa leaves while Dr. Pankaj Singh, Scientist-C, Institute of Forest Biodiversity, Hyderabad, in his statement described Moringa leaves as a natural bio-stimulator, which has been proven to increase the production of many crops by various experiments. Dr. Ankita Mishra, CSIR-National Institute of Botanical Research, Lucknow made a detailed presentation on Moringa leaves as a wonderful functional food and various food products.

Next speaker Mr. Tushar Rami, Director, Sales and Marketing, Thylakoid Biotech. Ltd., Gandhinagar shared his experiences on Drumstick's value added product for nutritionally rich food. Dr. Satya Prakash Mishra, Subject Matter Expert, JOHAR Project, Jharkhand State Livelihood Promotion Project, Jharkhand discussed in detail the intensive cultivation of Moringa for the production of leaves under the project. Dr. Anubha Srivastava, Scientist-C apprised about the benefits of medicines prepared from drumstick leaves and other types of food ingredients.

In final session, participants present online from various parts of the country got answers to their questions from the invited speakers on the benefits of various medicines prepared from drumstick leaves and the increase in the income of human beings. Vote of thanks was proposed by Dr. Anita Tomar, Scientist-F. More than 150 participants connected to the programme.

PROGRAMME SCHEDULE

03:00 PM	**Introduction** - Dr. Kumud Dubey, Scientist E, FRCER, Prayagraj
03:05-03:15 PM	**Welcome Address by Head, FRCER** - Dr. Sanjay Singh
03:15-03:40 PM	**Speaker:** Dr. Mohit Kumar, CEO & MD, Semina Agro **Topic:** "*Moringa* leaf cultivation and marketing"
03:40-04:00 PM	**Speaker:** Dr. Pankaj Singh, Scientist-C, Institute of Forest Biodiversity, Hyderabad **Topic:** "*Moringa oleifera*: A natural biostimulant"
04:00-04:20 PM	**Speaker:** Dr. Ankita Mishra, Women Scientist, Pharmacognosy Division, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow **Topic:** "*Moringa* leaf: A wonder functional food"
04:20-04:40 PM	**Speaker:** Mr. Tushar Rami, Director- Sales & Marketing Thylakoid Biotech Pvt Ltd. **Topic:** "*Moringa* value added products for nutrition rich food"
04:40-05:00 PM	**Speaker:** Dr. Satya Prakash Mishra, Subject Matter Specialist, JOHAR Project, Jharkhand State Livelihood Promotion Society, Jharkhand **Topic:** "*Moringa* intensive farming for leaf production under JOHAR project"
05:00-05:10 PM	**Question and Answer session**
05:10-05:20 PM	**Valedictory**
05:20-05:30 PM	**Vote of thanks** - Dr. Anita Tomar, Scientist F, FRCER, Prayagraj

NEWS COVERAGE

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से सहजन की पत्तियों पर आधारित उत्पाद के विकास विषय पर हुई कार्यशाला

सहजन की पत्ती को जैविक खाद में प्रयोग कर कमाएं मुनाफा

दी जानकारी

प्रयागराज | संवाददाता

पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से शुक्रवार को सहजन की पत्तियों पर आधारित उत्पाद के विकास विषय पर ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें देशभर के 100 से अधिक कृषि विशेषज्ञ और कृषि वैज्ञानिक शामिल हुए।

केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि सहजन की पत्तियों के पोषक, औषधीय तथा जैविक उर्वरक के रूप में प्रयोग कर किसान अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। बताया कि सहजन की पत्ती से जैविक खाद बनाने का शोध लगातार दस वर्षों से चल रहा था, जो केंद्र की ओर से पूरा कर लिया गया है। सहजन से तैयार जैविक खाद जल्द ही सस्ते दामों में किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने कहा कि सहजन की पत्ती का नियमित सेवन कर गंभीर बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। डॉ. मोहित कुमार ने कहा कि सहजन की पत्तियों की खेती के अलावा औषधि के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। इसकी उपयोगिता को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है।

वन जैव विविधता संस्थान हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ पंकज सिंह ने सहजन को एक प्राकृतिक जैव उद्दीपक बताया। वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सहजन की पत्तियों से तैयार औषधियों तथा अन्य प्रकार की खाद्य समग्रियों से होने वाले लाभ को बताया। राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान लखनऊ की वैज्ञानिक डॉ. अंकिता मिश्रा, विक्रय एवं विपणन निदेशक तुषार रामी, जोहार परियोजना झारखंड के डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा ने विचार रखे। वेबिनार में वक्ताओं से सहजन की पत्तियों से तैयार विभिन्न औषधियों से प्राप्त होने वाले लाभ तथा इससे आय के संबंध में जानकारी ली। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. एसडी शुक्ला, रतन गुप्ता, साजन कुमार, योगेश अग्रवाल, फराज अहमद, अंकुर श्रीवास्तव आदि रहे। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

100 से अधिक कृषि विशेषज्ञ और कृषि वैज्ञानिक कार्यशाला में शामिल हुए।

शुक्रवार को पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में सहजन की पत्तियों से उत्पाद विकास पर आयोजित कार्यशाला में उपस्थित कृषि वैज्ञानिक।

सहजन जैव उत्पाद, बढ़ाएं उत्पादन

PRAYAGRAJ (16 July): पारि- पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र में शुक्रवार को सहजन की पत्तियों पर आधारित उत्पाद के विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला वेबिनार के जरिए हुई. केंद्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने सहजन की पत्तियों के पोषक, औषधीय तथा जैविक उर्वरक के रूप में प्रयोग के बारे में जानकारी दी. वरिष्ठ वैज्ञानिक डा कुमुद दूबे ने दैनिक जीवन में सहजन के महत्व पर चर्चा की. वक्ता डा मोहित कुमार, सीईओ और एमडी, सेमीना एग्रो ने सहजन की पत्तियों की खेती तथा इसके विपणन पर विस्तृत चर्चा की. डा पंकज सिंह वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने सहजन को एक प्राकृतिक जैव उत्पाद बताया. डा अंकिता मिश्रा, डॉ तुषार रामी, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा ने सहजन की पत्ती के उत्पादन के लिए सघन कृषि पर विस्तृत चर्चा की और प्रश्नों के जवाब दिए. वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनिता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया. डा अनुभा श्रीवास्तव ने सहजन की पत्तियों से तैयार औषधियों तथा अन्य प्रकार की खाद्य समग्रियों से होने वाले लाभ से अवगत कराया.

सहजन की पत्तियों से उत्पाद विकास पर कार्यशाला

प्रयागराज (नि.सं.)। आज दिनांक 16.07.2021 को पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र , प्रयागराज द्वारा कोविड -19 नियमों का पालन करते हुए सहजन की पत्तियों पर आधारित उत्पाद के विकास विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन तरीके से वेबिनार के माध्यम से किया गया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने अपने स्वागत भाषण में सहजन की पत्तियों के पोषक , औषधीय तथा जैविक उर्वरक के रूप में प्रयोग के लाभ पर विस्तृत उल्लेख किया साथ ही उन्होने वेबीनार के आमंत्रित वक्ताओं से कार्यक्रम को द्विभाषी में करने का अनुरोध किया, जिससे वेबीनार में जुड़े लोगों को विषय सम्बंधी जानकारियों को समझने में सहायता प्राप्त हो सके। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 कुमुद दूबे ने भारत सरकार की भारत अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के विभिनन्‍ संस्थानों के सहयोग से अवगत कराया और मनुष्य के दैनिक जीवन में सहजन के महत्व पर चर्चा की। प्रथम वक्ता डा0 मोहित कुमार , सीईओ और एमडी , सेमीना एग्रो ने सहजन की पत्तियों की खेती तथा इसके विपणन पर विस्तृत चर्चा की। डा0 पंकज सिंह, वैज्ञानिक - सी, वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद ने अपने वक्तव्य में सहजन को एक प्राकृतिक जैव उद्दीपक बताया जिसके विभिनन्‍ परीक्षणों से अनेक फसलों के उत्पादन में महती वृद्धि होना सिद्ध हुआ है। वक्ता डा0 अंकिता मिश्रा, महिला वैज्ञानिक, औषधीय विज्ञान, सीएसआईआर - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने सहजन की पत्ती को एक अद्भुत कार्यात्मक भोजन के रूप में बताया तथा इसे परिभाषित भी किया। वक्ता तुषार रामी , निदेशक , विक्रय एवं विपणन ने सहजन के पोषण से भरपूर भोजन हेतु मूल्य वर्धित उत्पाद पर अपने अनुभव साझा किये। वक्ता के रूप में डा0 सत्यप्रकाश मिश्रा, विषय विशेषज्ञ, जोहार परियोजना, झारखण्ड राज्य आजीविका संवर्धन संस्था, झारखण्ड ने जोहार परियोजना के तहत सहजन की पत्ती के उत्पादन के लिए सहजन की सघन कृषि पर विस्तृत चर्चा करने के साथ सम्बंधित विषय पर विभिनन्‍ प्रशनें के उचित उत्तर भी दिये। कार्यक्रम के अन्त में वेबीनार में ऑनलाइन उपस्थित विभिनन्‍प्रतिभागियों ने आमंत्रित वक्ताओं से सहजन की पत्तियों से तैयार विभिनन्‍ औषधियों से प्राप्त होने वाले लाभ तथा इससे मनुष्य की आय में होने वाली वृद्धि पर अपने - अपने प्रशनें के उत्तर प्राप्त किये। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनिता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। केन्द्र की वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने सहजन की पत्तियों से तैयार औषधियों तथा अन्य प्रकार की खाद्य समग्रियों से होने वाले लाभ से अवगत कराया। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 एस0 डी0 शुक्ला तथा तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता के साथ साजन कुमार , तकनीशियन व परियोजना में कार्यरत योगेश अग्रवाल , फराज अहमद तथा अंकुर श्रीवास्तव के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पनन्‍ हुआ। कार्यशाला में देश भर से 100 से अधिक प्रतिभागी सम्मिलित थे।

उद्यो ... द् करने के लिए विधायक को सौंपा ज्ञापन

प्र... की जबरन वसूली की जा रही है।

उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया है कि व्यापारियों को किसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन से बात कर ...स्याओ का समाधान किया जाये।

इस दौ...न सिविल लाइन्स उद्योग व्या...र मंडल के महामंत्री अमित सिं... अखिल भारतीय उद्योग व्य... मंडल के जिलाध्यक्ष रमेश केस...ी एवं सचिव मंजीत भारतीय, ...ल हॉकर फेडरेशन महासचिव ...विशंकर द्विवेदी, मंडल उपाध्यक्ष ...एस विरदी, आशुतोष

सहजन की पत्तियों के पोषक, औषधीय एवं जैविक उर्वरक की उपयोगिता बताई

प्रयागराज। पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र की ओर से शुक्रवार को सहजन की पत्तियों पर आधारित उत्पाद के विकास विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्चुअल कार्यशाला में केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने सहजन की पत्तियों के पोषक, औषधीय तथा जैविक उर्वरक के रूप में प्रयोग के लाभ पर विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे ने मनुष्य के दैनिक जीवन में सहजन के महत्व पर चर्चा की। केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सहजन की पत्तियों से तैयार औषधियों के बारे में बताया। कार्यशाला में कई तकनीकी सत्र चले। सेमीना एग्रो के सीईओ और एमडी डॉ. मोहित कुमार, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. अंकिता मिश्रा, वक्ता तुषार रामी, डॉ. सत्यप्रकाश मिश्रा आदि ने अपनी बात रखी। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ब्यूरो

कार्यशाला